भारतीय विद्यालय डारसेट

कार्यपत्रिका - प्रश्नोत्तर

अब कहां दूसरों के दुख से दुखी होनेवाला

नाम ---------- **कक्षा X**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 वाक्यों में लिखिए।

प्र1. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

उ. लशकर को अरबवासी नूह के लकब के रूप में याद करते हैं। वह बहुत ही करुणावान पदाधिकारी था। इसलिए वह धीरे-धीरे नूह के नाम से ही जाना जाने लगा। उसे पैगमबर कहा गया।

प्र2. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करता थीं ? और क्यों?

उ. लेखक की माँ सूरज के ढलने के बाद पेड़ों के पत्ते तोड़ने से मना करती थी। उसे लगता था कि इस समय पत्ते तोड़े तो वे रोते हैं और तोड़ने वाले को बद्दुआ देते हैं।

प्र3. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

उ. प्रकृति में आए असंतुलन का दुष्परिणाम बहुत भयंकर हुआ। समुद्री तूफ़ान आए, भूकंप आए, आधियाँ आईं, बाढ़ें आईं, गर्मी अत्यधिक बढ़ी, असमय बरसातें हुई तथा नए-नए रोग उत्पन्न हुए। पशु-पक्षी घर से बेघर हो गए।

प्र4. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा?

उ. लेखक की माँ बहुत ही धर्मभीरू तथा दयालु स्त्री थी। उसके हाथों से गलती से कबूतर का अंड़ा फूट गया। इस पछतावे के कारण उसने दिनभर रोजा रखा तथा खुदा से अपना गुनाह माफ़ करने की प्रार्थना की।

प्र5. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक अनेक बदलाव देखे। उसके देखते-देखते जंगल कट गए। पशु-पक्षी शहर छोड़कर कहीं भाग गए।

प्र6. डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उ. डेरा डालने का आशय है–अपने रहने का स्थान बनाना। उसके लिए आवश्यक साजो-सामान जुटाना। कबूतरों के डेरा डालने का आशय है–अपने तथा बच्चों के लिए घोंसलें बनाना। बच्चों के खाने-पीने के लिए सामान जुटाना।

प्र. 7. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए?

उ. शेख अयाज़ के पिता बहुत ही दयालु तथा जीव-प्रेमी मनुष्य थे।उन्होंने भोजन करते समय देखा कि एक काला च्योंटा उनकी बाजू पर रेंग रहा है। उन्हें लगा कि यह च्योंटा कुएँ के पानी के साथ उन तक आ गया है। यह बेघर हो गया है। इसे वापस कुएँ के पास छोड़ आना चाहिए। इसी इच्छा से वे भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए।

प्र1.बढ़ती आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उ. बढ़ती आबादी ने पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया। समुद्र की लहरों को सीमित कर दिया। समुद्र के रेतीले तट पर मानवों ने बस्ती बसा दी। आसपास के जंगल काट डाले गए। पेड़ों को रास्तों से हटा दिया गया। पशु-पक्षी बस्तियाँ छोड़कर कहीं भाग गए। वातावरण में गर्मी बढ़ने लगी। मौसम-चक्र टूट गया। बरसातें बेवक्त होने लगीं। कभी तूफ़ान, कभी आँधियाँ, कहीं बाढ़ें, तो कहीं नए-नए रोग पैदा होने लगे।इस प्रकार बढ़ती आबादी से पर्यावरण दूषित हो गया।

प्र2. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी?

उ. लेखक के घर के रोशनदानों में कबूतरों ने अपना डेरा जमा लिया था। वे उसे अपना घर समझकर अधिकार से वहाँ रहते थे। वे अपने बच्चों की देखभाल के लिए दिन में अनेक बार आया-जाया करते थे। कभी-कभी वे मस्ती करते हुए घर के अंदर चले आते थे। उनके खेल-खेल में लेखक के घर का कोई सामान गिरकर टूट जाता था। कभी-कभी वे लेखक की पुस्तकों की अलमारी पर आ बैठते थे। इससे घर गंदा हो जाता था। इस सब झंझट से बचने के लिए लेखक की पत्नी ने उस खिड़की को बंद करवा दिया, जिससे कबूतर घर में आते थे।

प्र3. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

उ. समुद्र के गुस्से की वजह थी -उसका सिमटना। मंबई के बड़े-बड़े बिल्डरों ने समुद्र की ज़मीन छीनकर उस पर मानवों के लिए बस्ती बना डाली थी। इससे समुद्र के लिए अपने पाँव फैलाना तक कठिन हो गया। अतः गुस्से में आकर उसने एक दिन अपनी छाती पर विहार करते हुए तीन जहाज़ों को बड़ी जोर से अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया। समुद्र ने जहाज़ों को बच्चों की गेंद की तरह उछाल फेंका कि वे औधें मुँह गिरकर टूट-फूट गए। उनमें सवार यात्री फिर चलने-फिरने योग्य भी नहीं रहे।

प्र4. मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान,

किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान।

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है

उ. इस पद्यांश का आशय है–सब प्राणियों का निर्माण एक ही मिट्टी से हुआ है। उस मिट्टी में न जाने कौन-कौन-सी मिट्टी मिली हुई है। इसका बोध किसी को नहीं है। अतः मनुष्य में कितनी मनुष्यता है और कितनी पशुता–यह किसी को नहीं पता। इसी प्रकार पशु में कितनी पशुता है और मनुष्यता–यह भी किसी को ज्ञात नहीं। आशय यह है कि मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को किसी पशु से बेहतर न माने।